सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 03 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 4 फरवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

एक सच्चा आदमी किसी से नफरत नहीं करता।
-नेपोलियन बोनापार्ट

अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में पहुंचा... 7
2026 भी चुनावी साल, मचेगा... 3
भाजपा सकार ने अमेरिका को... 2

फाइनल मोड़ पर SIR का दंगल

एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम की पैरवी के बाद चुनाव आयोग को नोटिस

» सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार असामान्य और हाई-प्रोफाइल कदम

» कोर्ट के आस-पास सुरक्षा घेरा सख्त, पार्टी इन पर्सन के रूप में दलीलें रखने की इजाजत

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने आयोग से जवाब मांगा है और इस पूरे मामले को गंभीर संवैधानिक प्रश्न से जोड़कर देखा है। हालांकि एसआईआर पर रोक नही लगाई गई है।

ममता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि बंगाल में एसआईआर के नाम पर वैध मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया चुनाव से ठीक पहले शुरू की गई जिससे आशंका पैदा होती है कि इसका उद्देश्य किसी खास वर्ग या समुदाय को मतदान से वंचित करना हो सकता है। ममता ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी स्वयं अदालत में उपस्थित रहीं।

सीधे बात करना चाहती हैं ममता बनर्जी

वकीलों की कतार के पीछे खड़े रहने की बजाए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सीधे संविधान की किताब हाथ में लेकर अदालत से बात करना चाहती हैं। यह कोई साधारण कदम नहीं है यह एक असामान्य हाई-प्रोफाइल और राजनीतिक रूप से विस्फोटक फैसला है। सवाल यही है कि क्या एसआईआर की आड़ में मताधिकार पर कैंची चल रही है? और अगर नहीं तो फिर इतनी हड़बड़ी इतनी सुरक्षा और इतनी बेचैनी क्यों दिखाई जा रही है? सुप्रीम कोर्ट के आसपास सुरक्षा घेरा अचानक सख्त हो गया। कैमरे सतर्क हो गये। गलियारों में कान खड़े हैं और सियासी दलों की धड़कनें तेज हैं। वजह साफ है यह सिर्फ पश्चिम बंगाल का मामला नहीं रहा। यह मामला बन चुका है कि कौन तय करेगा कि लोकतंत्र की सूची में कौन रहेगा और कौन बाहर होगा।

महज कानूनी रणनीति नहीं है

ममता बनर्जी का अदालत पहुंचना महज कानूनी रणनीति नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश भी है। संदेश यह कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया सवालों से परे नहीं है और सरकार द्वारा चलाई जा रही एसआईआर कवायद लोकतांत्रिक भरोसे की परीक्षा ले रही है। आलोचक इसे न्यायिक ड्रामा कह रहे हैं समर्थक इसे संविधान की आखिरी चौकी पर दस्तक बता रहे है। जिन मुद्दों पर संसद में बहस होनी चाहिए वह अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच पर रखे जा रहे हैं। जैसे लोकतंत्र कह रहा हो जब बहस के दरवाजे बंद हों तो न्याय के दरवाजे खटखटाओ। आज मामला जस्टिस सूर्यकांत की अदालत में है। दलीलें चल रही हैं शब्द तौले जा रहे हैं और हर वाक्य के पीछे राजनीति की लंबी परछाईं खड़ी है। भले ही आज कोई अंतिम फैसला आए या न आए लेकिन इतना तय है कि एसआईआर पर यह दंगल अब फाइनल मोड़ पर पहुंच चुका है और इसका असर सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं रहने वाला।

चुनाव आयोग का जवाब

चुनाव आयोग का पक्ष यह है कि एसआईआर एक नियमित और वैधानिक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करना है। आयोग का दावा है कि इसमें आपत्ति सुधार और अपील की पूरी व्यवस्था है। वहीं विपक्ष और याचिकाकर्ताओं का कहना है कि जमीनी हकीकत में यह प्रक्रिया अस्पष्ट मानकों पर चल रही है। फिलहाल कोर्ट ने संकेत दिया है कि वह मताधिकार जैसे संवेदनशील मुद्दे पर संतुलन के साथ फैसला करेगा। अगली सुनवाई या आदेश में यह स्पष्ट हो सकता है कि एसआईआर पर कोई सीमा रेखा खींची जाएगी या नहीं।

वैधता-पारदर्शिता और समय तीनों पर सवाल?

ममता बनर्जी की याचिका में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता पारदर्शिता और समय तीनों पर सवाल उठाए गए हैं। उनका तर्क है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का खतरा है जिससे आगामी चुनावों में मताधिकार प्रभावित हो सकता है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जब तक मामला तय न हो जाए तब तक नाम काटने की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट में यह केस मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष चल रहा है। अदालत ने अब तक सभी पक्षों की दलीलें सुनी हैं लेकिन कोई अंतिम या अंतरिम आदेश फिलहाल जारी नहीं किया गया है। यानी न तो एसआईआर पर रोक लगी है और न ही उसे हरी झंडी मिली है। मामला न्यायिक विचाराधीन है। अदालत में ममता बनर्जी की मौजूदगी और उनकी पार्टी इन पर्सन के रूप में दलील देने की अपील ने इस सुनवाई को असाधारण बना दिया है। यह सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में दुर्लभ उदाहरणों में गिना जा रहा है जब एक मौजूदा मुख्यमंत्री खुद अदालत से सीधे संवाद करना चाहती हैं।

भाजपा सकार ने अमेरिका को हमारे किचन में घुसा दिया : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख- भारत में सनातनी भाई नहीं रख पाएंगे व्रत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर भाजपा सरकार पर फिर हमला बोला। कन्नौज सांसद ने दावा किया है कि अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए भारत का बाजार खोल दिया गया है।

अखिलेश ने कहा कि अब ये लोग हमारे किचन तक घुस गए हैं। हमारी सनातनी भाइयों को चिंता करने की जरुरत है। अगर हमारे किचन में डेयरी प्रोडक्ट बाहर से आ गए तो हम व्रत कैसे रख पाएंगे। सबसे बड़ा धोखा तो किसानों के साथ हो रहा है, इतना बड़ा धोखा आजादी के बाद किसानों के साथ सिर्फ बीजेपी ने किया। हालांकि भारत सरकार ने इन दावों से इनकार किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत सदैव अपने कृषकों के साथ रहा है और आगे भी रहेगा।

हमारे बाजार भी छीने जा रहे

इसके अलावा अखिलेश ने 4 फरवरी, बुधवार को पत्रकारों से यह भी कहा कि बीजेपी की कोशिश रहती है की चर्चा न हो। हमने अभी देखा ही है की जिस तरह से चीन के मुद्दे पर राहुल गांधी जानकारी साझा करना चाहते थे लेकिन बोलने नहीं दिया गया। हम चीन से न केवल हम जमीन खोते हैं बल्कि बाजार भी छीना जा रहा है। कुछ पुरानी सरकारों ने छीना और कुछ अब ये लोग छीन रहें हैं. सबसे ज्यादा अगर खतरा हमें चीन से है, न जाने कब हमने अपना तवांग खो दिया।

सपा विधायक ने लगाया वोटर लिस्ट में हेराफेरी का आरोप

समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग ने एसआई यानी मतदाता सूची सुधार प्रक्रिया को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। सपा विधायक ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार में जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को शंकराचार्य साबित करने का नोटिस दे सकती है तो हम अल्पसंख्यक समाज के लोग एसआईआर से नाम कटने के बाद कहां जाएंगे? उन्होंने दावा किया कि लखनऊ से फॉर्म-7 की छपी हुई प्रतियां (फॉर्म-कॉपियां) आई है और उसे भाजपा के बूथ लेवल के कार्यकर्ता जमा कर वक्फ वोटरों का नाम कटवा रहे है अगर इसे तत्काल नहीं रोका गया तो सड़क से लेकर सदन तक हर स्तर विरोध दर्ज करायेंगे। विधायक जाहिद बेग ने कहा कि प्रयागराज में जिस तरह शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को योगी की सरकार के अधिकारी उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग सकती है तो आप सोचिए कि हम लोग जो विपक्ष में है, हम लोगों का क्या होगा? हमारे वोटर जो दबे कुचले हैं उनका क्या होगा? कौन सुनेगा उनकी, योगी सरकार में अल्प संख्यक समाज डरा सहमा हुआ है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार 2027 के चुनाव में हार के डर की वजह से स्क्रूक ड्राफ्ट में सुनियोजित तरीके से नाम कटवाये जा रहे हैं. हम समाजवादी लोग चेतावनी देते हैं, तत्काल अगर इस पर रोक नहीं लगाई गई तो हम लोग इसके लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने को बाध्य होंगे।

मणिपुर में सभी समुदायों के बीच सहानुभूति एवं सद्भाव के लिए कटिबद्ध हूं: खेमचंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर में राष्ट्रीय जन तांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि वह राज्य में सभी समुदायों के बीच सहानुभूति, करुणा और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खेमचंद ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी और भाजपा के मणिपुर के सभी सम्मानित विधायकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे भाजपा विधायक दल का नेता चुनकर मुझ पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा, मैं सभी समुदायों के बीच सहानुभूति, करुणा और सद्भाव को बढ़ावा देने, हमारी विविधता का सम्मान करने और एकता को मजबूत करने के लिए समर्पित रहूंगा। मणिपुर की भाजपा विधायक दल ने नयी दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में 62 वर्षीय सिंह को अपना नेता चुना। बाद में मणिपुर भवन में राजग ने भी उन्हें अपना नेता चुन लिया। सिंह के राजग विधायक दल का नेता चुन लिये जाने के बाद मणिपुर में नयी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कर्नाटक की जनता को गुमराह कर रहा विपक्ष : प्रियांक खरगे

» आबकारी मंत्री का इस्तीफा मांगने पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग करने के लिए उनके पास ठोस सबूत नहीं हैं। खरगे ने तिम्मापुर का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष बिना कोई सबूत पेश किए सिर्फ जनता को खुश करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने विपक्ष को उनके खिलाफ सबूत पेश करने की चुनौती भी दी और कहा कि अगर वे एक भी सबूत पेश कर सकें तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा पिछले दस दिनों से, एक सप्ताह से अधिक समय से, वे इस मुद्दे को परिषद में उठा रहे हैं। उन्होंने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया है। अभी तक वे यह नहीं बता पाए हैं कि यह पूरी घटना कब और कैसे हुई। वे आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अगर उन्हें सबूत का एक भी टुकड़ा मिल जाए तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। विधानसभा सत्र के दौरान, वे अपने पास मौजूद कोई भी सबूत पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। वे लोकायुत जाकर अपने सबूत पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके बजाय, वे केवल तमाशा कर रहे हैं। उन्होंने सबूतों के अभाव पर भाजपा से सवाल करते हुए कहा, वे जिस सबूत की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है?खरगे ने विपक्ष को यह भी बताया कि जब भी कांग्रेस ने कोई मुद्दा उठाया, तो उसने हमेशा ठोस सबूतों के साथ उठाया। वे जिस सबूत की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है? वे जिस अपराध और अपराध से प्राप्त धन की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है? कुछ भी दिखाया या दिया नहीं गया है। सिर्फ इसलिए कि एक अधिकारी ने दावा किया है कि हमें पूरे उच्चाधिकारियों को रिश्वत देनी होगी, इसका मतलब यह नहीं है कि मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा शासन में हर दिन ऐसे आरोप लगते थे। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि जब भी हमने मुद्दे उठाए, तो हमने ठोस सबूतों के साथ उठाए। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे जांच एजेंसियों को सौंप दिया है। मुझे लगता है कि वे भूल गए हैं कि जब इन लोगों द्वारा किए गए घोटाले में एडीजीपी रैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया गया था, तब इनमें से किसी ने भी इस्तीफा नहीं दिया था।

अजय राय को फेसबुक पर धमकी

» कांग्रेस ने कराई शिकायत दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय को फेसबुक पर धमकी दी गई है। मामले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू ने हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर शिवमंगल सिंह के मुताबिक साइबर सेल से मदद मांगी गई है। फेसबुक अकाउंट चलाने वाले के बारे में पता लगाया जा रहा है। एफआईआर के मुताबिक रुद्र दमन सिंह पार्टी के पदाधिकारियों के साथ माल एवेन्यू स्थित प्रदेश कार्यालय में थे। इसी दौरान उन्होंने फेसबुक पर देखा कि मनीष शुक्ला नाम के व्यक्ति ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की फोटो डालकर उन्हें सबक सिखाने की धमकी भरा पोस्ट किया है।

प्रदेश अध्यक्ष की आपत्तिजनक फोटो भी डाली गई थी। जिला अध्यक्ष का कहना है कि कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। पोस्ट के जरिये माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। कार्रवाई नहीं होती है तो कांग्रेस पार्टी प्रदर्शन करेगी।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ भाजपा नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी पर आक्रोश जताया है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रुद्र दम सिंह, प्रमोद सिंह, शैलेंद्र दीक्षित आदि ने लखनऊ के हुसैनगंज थाने पहुंच कर भाजपा नेता मनीष शुल्का के खिलाप तहरीर दी।

आरोप लगाया कि भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक मनीष शुक्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (फेसबुक) के साथ ही अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की आपत्तिजनक और अपमानजनक तस्वीर प्रस्तुत की गई, जिससे कांग्रेस जनों में भारी रोष व्याप्त है।

शब-ए-बारात मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देने वाला त्यौहार : अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी ने कहा कि शब-ए-बारात आत्मचिंतन, क्षमा और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देने वाला त्यौहार है। इस तरह के पाक अवसर समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करते हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सभी धर्मों के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रही है। उनके साथ अली आसिफ जमा रिजवी, डॉ अमित कुमार राय, मारूफ खान, डॉ0 शहजाद आलम आदि मौजूद रहे। शब-ए-बारात पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने केजीएमयू परिसर स्थित ह?रत कवाबमुद्दीन अब्बासी उर्फ हाजी-उल-हरमन रहमतुल्लाह एवं मखदूम शाह मीना शाह अली की दरगाह पहुंचकर चादर पेश की। प्रदेशवासियों के सुख, शांति, अमन-चौन एवं आपसी भाईचारे के लिए दुआ की।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

कश्मीरियों की सुरक्षा के मुद्दे पर गरमाई राजनीति

नेका और पीडीपी ने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर कश्मीरियों के कथित उत्पीड़न के मामलों को उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में तीखे राजनीतिक टकराव, क्षेत्रीय आकांक्षाओं और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों के बीच गुज़रा। एक ओर जहां विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) की स्थापना की जोरदार मांग उठाई, वहीं नेशनल कॉन्फ्रें स (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रे टिक पार्टी (पीडीपी) ने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर कश्मीरियों के कथित उत्पीड़न के मामलों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की।

इन समानांतर मुद्दों ने सदन के भीतर और बाहर दोनों जगह माहौल गरमा दिया। हम आपको बता दें कि विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया ने

जम्मू विश्वविद्यालय के उन छात्रों का मुद्दा उठाया जो क्षेत्र में एक राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। सलाथिया ने कहा कि उनकी पार्टी कश्मीर में एनएलयू की स्थापना का विरोध नहीं करती, लेकिन जम्मू के छात्रों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। उनके बोलते ही भाजपा के अन्य विधायक भी खड़े हो गए और जम्मू के लिए एनएलयू के नारे लगाते हुए तख्तियां दिखाईं। इससे सदन का माहौल शोरगुल वाला हो गया।

2026 भी चुनावी साल, मचेगा सियासी बवाल

टीएमसी ने एसआईआर व चुनाव आयोग पर किए प्रहार

सबसे ज्यादा बंगाल में वार-पलटवार

- भाजपा ने तेज किए राज्य के दौरे
- जांच एजेंसियों के छापे पर भी सवाल
- चुनावी माहौल बना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के लिए 2026 भी चुनावी साल रहने वाला है पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल, असम के साथ दक्षिण भारत के पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। केरल को छोड़कर चार राज्यों में मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पर सबसे ज्यादा सियासी हलचल बंगाल में मची हुई है। जहां टीएमसी चौथी बार सत्ता में आने की जुगत में है तो भाजपा सत्ता कब्जाने की फिराक में है।

इसी के तहत दोनों दल एक-दूसरे पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। उधर भाजपा के बड़े-बड़े नेता राज्य के ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं तो वहीं बंगाल की सीएम एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ राज्य से दिल्ली तक मोदी सरकार के नाक में दम करने में पीछे नहीं हट रहीं हैं। इनसबके बीच जांज एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। विपक्ष ने इन छापेमारी को गलत बताया है। राजनेताओं की बयानबाजी और योजनाओं की भरमार के कारण इन राज्यों में चुनावी माहौल बन चुका है। यह चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव आयोग की तरफ से वोटर लिस्ट विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद वोटिंग होगी। बिहार में एसआईआर के बाद हुए चुनाव में एनडीए गठबंधन को जीत और महागठबंधन को हार मिली। अब पश्चिम बंगाल और असम की बारी है, जहां एसआईआर बड़ा मुद्दा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी डेढ़ दशक से सत्ता में है, जबकि असम में बीजेपी भी लगातार दो बार सरकार बना चुकी है। तमिलनाडु में भी डीएमके के नेता स्टालिन की परीक्षा होनी है। केरल में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने वाले वाम मोर्चा के सामने भी यूडीएफ चुनौती है। केरल में पिनराई विजयन अगर तीसरी बार सफल होते हैं तो रेकॉर्ड बन जाएगा।

एसआईआर चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर सही प्लानिंग के साथ करना चाहिए : ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा कि अगर आपको एसआईआर करना ही था, तो आपको चुनाव वाले राज्यों को छोड़कर सही प्लानिंग के साथ करना चाहिए था, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। असम में आपकी बीजेपी सरकार है। आपने असम में एसआईआर नहीं किया, लेकिन पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में किया। आपने हमारे साथ क्या किया? आपने 58 लाख लोगों को हटा दिया। यहां बहुत ज्यादा गड़बड़ी और गलत मैपिंग है। अगर हमें 2022 में एसआईआर करना होता, और हमसे हमारे पिता के बर्थ सर्टिफिकेट लाने को कहा जाता, तो यह मुमकिन नहीं होता। पहले बच्चे घरों में पैदा होते थे, अस्पतालों में नहीं... अपने प्रधानमंत्री से पूछिए कि क्या उनके पास अपने माता-पिता के इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी सर्टिफिकेट हैं।

बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस अकेले मैदान में उतरने की तैयारी में है। संकेत हैं कि इस बार लेफ्ट फ्रंट के साथ कांग्रेस का पुराना गठबंधन टूट सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक, फिलहाल लेफ्ट के साथ किसी तरह की औपचारिक बातचीत नहीं हुई है और राज्य इकाई के अधिकांश नेता अकेले चुनाव लड़ने के पक्ष में हैं। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व से अंतिम फैसला भी इसी दिशा में हो सकता है।

टीएमसी लगातार तीन बार से आ रही सत्ता में

लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन 2016 से चला आ रहा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में दोनों अलग हुए, लेकिन 2021 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनाव में फिर साथ आए । तृणमूल कांग्रेस लगातार तीन बार सत्ता में रहकर सबसे मजबूत ताकत बनी हुई है, जबकि बीजेपी दूसरी सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। कांग्रेस के सामने रणनीतिक दुविधा है कि वह तृणमूल को मुख्य प्रतिद्वंद्वी माने या बीजेपी को रोकने की कोशिश करे। 2011 में तृणमूल के साथ 42 सीटें जीतने वाली कांग्रेस, 2016 में लेफ्ट के साथ 44 सीटों पर आई, लेकिन 2021 में 92 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद एक भी सीट नहीं जीत सकी और वोट शेयर महज 3 प्रतिशत रह गया।

लेफ्ट फ्रंट में गठबंधन को लेकर खास उत्साह नहीं

लेफ्ट फ्रंट के भीतर भी कांग्रेस से गठबंधन को लेकर खास उत्साह नहीं दिख रहा है। सीपीआई के एक वरिष्ठ नेता और सांसद का कहना है कि लेफ्ट फ्रंट की अधिकतर पार्टियां इस बार पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने के पक्ष में हैं। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, बंगाल इकाई का एक वर्ग मानता है कि गठबंधन में रहकर पार्टी का विस्तार संभव नहीं है। लंबे समय से जिन इलाकों में कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ पाई, वहां उसकी पकड़ और कमजोर हुई है। ऐसे में पार्टी मार्च अप्रैल में संभावित विधानसभा चुनावों को संगठन मजबूत करने के मौके के रूप में देख रही है।

वोट ट्रांसफर नहीं करा सकती कांग्रेस

सीपीएम के अंदर भी मजबूत धड़ा कांग्रेस से सीट शेयरिंग जारी रखने को नुकसानदेह मानता है। सीपीएम के नेताओं का तर्क है कि बिहार में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने से महागठबंधन को नुकसान हुआ। उनका कहना है कि सीपीएम तो कांग्रेस के पक्ष में वोट ट्रांसफर करा सकती है, लेकिन कांग्रेस से ऐसी अपेक्षा नहीं है।

बंगाल विधानसभा चुनाव कैसे जीतेगी बीजेपी, पार्टी में सौंपी गई जिम्मेदारी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से उत्साहित बीजेपी अब अपनी इस रणनीतिक सफलता को बंगाल चुनाव में अपनाने जा रही है। राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल और पश्चिम बंगाल प्रभारी मंगल पांडेय के नेतृत्व में हुई बैठक में कुल 294 सीटों की जिम्मेदारी 294 विधानसभा प्रभारी को सौंप दी गई है। चलिए जानते हैं कि आज की बैठक में क्या हुआ। पश्चिम बंगाल फतह करने वाली सांगठनिक टीम की आज बैठक लेते पश्चिम बंगाल के प्रभारी मंगल पांडेय ने शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक की

बनी रणनीति का जिक्र किया। उन्होंने कार्य विभाजन करते बताया कि सबसे बड़ी जिम्मेवारी बूथ स्तर के संगठन को निभानी है। बूथ पर बनी 10 से 11 लोगों की समिति बना दी गई है। इस समिति के संचालन हेतु बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रभारी की भी जिम्मेदारी सौंप दी है। हर शक्ति केंद्र जिनके अंदर पूरे पंचायत की जिम्मेवारी होगी, का संचालन शक्ति केंद्र प्रमुख और शक्ति केंद्र प्रभारी करेंगे। इन सब का नियंत्रण 294 विधानसभा सीटों के लिए निर्धारित विधानसभा प्रभारी करेंगे। बिहार से पश्चिम बंगाल गए सांगठनिक पदाधिकारी के जिम्मे मूल रूप से उत्तरी पश्चिम बंगाल है। उत्तरी पश्चिम बंगाल का विशेष रूप से आसनसोल, दुर्गापुर और सिलीगुड़ी का इलाका है जहां बिहारियों की संख्या प्रभावकारी है। उत्तर पश्चिम बंगाल में विशेषकर 31 विधानसभा विशेष निशाने पर हैं। वैसे पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को ले कर बीजेपी के निशाने पर 70 से 80 प्रतिशत सीट है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 294 में 2015 और बीजेपी को 77 सीटों पर जीत मिली थी। यह जीत इसलिए भी चर्चा में है कि वर्ष 2016 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को कुल 3 सीटें ही मिली थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एक-दूसरे के लिए समय निकालकर बचा सकतें हैं रिश्ते

कुछ सालों में भारतीय समाज में कई परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। जहां एकल परिवार बढ़ रहे हैं। वहीं वैवाहिक संबंध भी टूट रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकों रोका जा सकता है। इसके लिए समाज से लेकर परिवार तक पहल करनी होगी। इसमें एक-दूजे की भावनाओं का सम्मान न करने तथा जाने-अनजाने उन्हें आहत करने के कारण आपसी रिश्तों में भावनात्मक दूरियां पैदा हो जाती हैं, जो न सिर्फ परिवार में कलह बढ़ाती हैं, दरार खड़ी कर परिवार को बांटने का सबब भी बनती हैं। रिश्तों में मिठास बनी रहने तथा भावनात्मक दूरियों को कम करने के लिए एक-दूजे की भावनाओं को समझने के साथ ही उनका सम्मान करने जैसे कदम उठाए जाना जरूरी है। रिश्तों में भावनात्मक दूरियों को कम करने के लिए खुलकर बातचीत करें। सहानुभूति दिखाएं और साथ में क्वालिटी समय बिताएं। एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, गलतफहमियों को शांति से सुलझाना और सक्रिय रूप से सुनना आवश्यक है। छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयासों, विश्वास और माफी के माध्यम से प्रेम को फिर से जीवंत किया जा सकता है।

“ रिश्तों में भावनात्मक दूरियों को कम करने के लिए खुलकर बातचीत करें। सहानुभूति दिखाएं और साथ में क्वालिटी समय बिताएं। एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, गलतफहमियों को शांति से सुलझाना और सक्रिय रूप से सुनना आवश्यक है। छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयासों, विश्वास और माफी के माध्यम से प्रेम को फिर से जीवंत किया जा सकता है।

रिश्तों में भावनात्मक दूरियों को कम करने के लिए खुलकर बातचीत करना, एक-दूसरे को ध्यान से सुनना। रोज फोन से दूर कुछ समय एक-दूसरे के लिए निकालें, जैसे एक कप चाय पर बातचीत। तारीफ करें और सकारात्मक बातचीत का अनुपात बढ़ाएं। कभी-कभी अपने स्वयं के मानसिक स्वास्थ्य और रुचियों पर ध्यान देना भी रिश्ते को बेहतर बनाता है। यदि विवाद हुआ है, तो अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें और ईमानदारी से माफी मांगें। इससे विश्वास दोबारा कायम करने में मदद मिलती है। रिश्तों में भावनात्मक दूरियों को पाटने के लिए सक्रिय प्रयास और धैर्य की आवश्यकता होती है। वर्तमान सामाजिक परिवेश, सोशल मीडिया, घरेलू समस्याएं और आपसी तालमेल की कमी से रिश्तों में भावनात्मक दूरियां बढ़ती जा रही हैं। कुछ असर पीढ़ियों की सोच का भी है। इन दूरियों को कम करने के लिए कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने परिवार के लोगों के साथ बातचीत करें एवं एक दूसरे की भावनाओं को साझा करें। सुनने वाला मनोयोग से उनकी भावनाओं को सुने व समझे। कोई भी टीका टिप्पणी करने के बजाय सहानुभूति पूर्ण रवैया अपनाए जितना हो सके उनका दुख या कोई समस्या हो तो कम करने में मदद करें। रिश्तों के बीच बढ़ रही भावनात्मक दूरियों का कारण परिवार के मध्य संवाद और समय न दे पाने से विभिन्न गलतफहमी उत्पन्न होती हैं, जिसके कारण परिवार में कलह भी होने लगती है। इन समस्याओं से निजात पाने के लिए घर पर आवश्यकता से अधिक मोबाइल पर समय देने की अपेक्षा परिवार के साथ हंसी-मजाक, समस्याओं पर चिंतन मिलकर करने और बच्चों के मध्य संवाद बनना चाहिए। दैनिक कार्यों के साथ परिवार के मध्य समय देना पहली आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राज्यपालों की भूमिका पर फिर खिंची तलवारें

प्रमोद जोशी

तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक विधानसभाओं में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच टकराव की खबरें इस साल भी आई हैं। ऐसा किसी न किसी रूप में पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्तमान टकराव राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए अभिभाषणों के पढ़ने से जुड़ा है। प्रत्यक्षत: ऐसा अनजाने में नहीं हो रहा है। इन मामलों से जुड़े सभी पक्ष संवैधानिक व्यवस्थाओं और उनसे जुड़ी मर्यादा-रेखाओं से भली भांति परिचित हैं। राज्यपाल जानते-समझते हैं और राज्य सरकारें भी। तब ऐसा क्यों होता है? इन राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपालों के रिश्ते काफी समय से तनावपूर्ण रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होने वाले राज्यपालों के 'एट होम' कार्यक्रमों का बहिष्कार कर चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच सीधा संवाद बहुत कम है।

इस वक्त तो चुनाव करीब हैं, इसलिए माहौल में वैसे ही गर्मी भरी है। दक्षिण के जिन तीन राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं, उनमें इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही पार्टियों की सरकारें हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के विरोध में हैं। ऐसे विवाद होते ही तभी हैं, जब केंद्र और राज्य की सरकारों का आपसी विरोध हो। बंगाल और पंजाब में भी इससे मिलते-जुलते प्रकरण हुए हैं। राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित सरकारों द्वारा तैयार किए गए भाषणों या विशेष संबोधनों को हूबहू पढ़ना एक संवैधानिक परंपरा है। यह ब्रिटिश परंपरा है, जिस पर आधारित भारत की संसदीय प्रणाली में भी उन्हीं परंपराओं के पालन की उम्मीद की जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ब्रिटिश राजा या रानी ने आधिकारिक भाषण को लेकर ना-नुकुर की हो। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच बहुत से मामलों में मतभेद थे, पर उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं किया, जिससे संसदीय मर्यादा भंग हो। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने 1998 के गणतंत्र दिवस संबोधन में कुछ बदलाव किया था।

कुछ दूसरे मौकों पर भी उन्होंने प्रस्तावित मसौदों में संशोधन किए थे, ताकि भाषण का स्वर और संदेश उनके विचारों के अनुरूप हो। ऐसे मौके संसद से बाहर के वक्तव्यों में ज्यादा देखे गए। उनके दृष्टिकोण और अब हो रहे टकराव

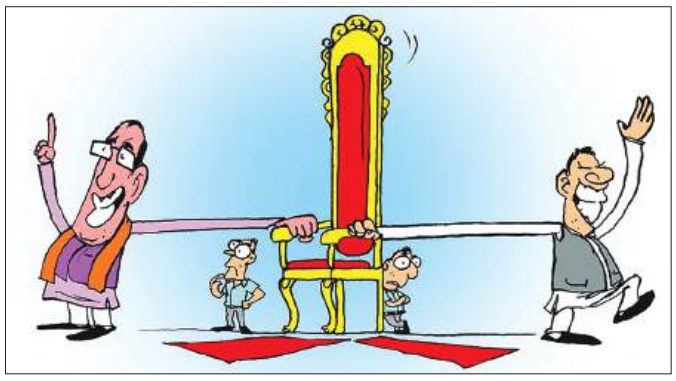

में फर्क है। अब इसने राजनीतिक टकराव की शक्ल ले ली है। मसलन कर्नाटक के प्रसंग को देखें, जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गत 22 जनवरी को विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। गहलोत के इस कार्य को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा, संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल की ओर से तैयार पूरा भाषण पढ़ना चाहिए। उधर राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण के पैरा नंबर 11 पर नाराज थे, जिसमें इनमें लिखा है कि केंद्र सरकार ने यूपीए काल में शुरू की गई मनरेगा योजना को कमजोर किया है। उसका बजट घटाया है, जिससे ग्रामीण रोजगार प्रभावित हुआ है। वस्तुत: यह केंद्र-राज्य संबंधों का महत्तवपूर्ण पहलू है। सवाल है कि राज्य सरकारों के पास असहमति व्यक्त करने का क्या यही रास्ता बचा है? और क्या राज्यपालों के पास अपने विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार है? सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से सीधे राज्यपाल के माध्यम से केंद्र की आलोचना करनी चाहिए? आखिरकार राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक पद है। उसे राज्य में केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है, न कि राज्य सरकार के प्रवक्ता के रूप में। पर क्या केंद्र सरकार को उनके माध्यम से राज्य सरकारों पर दबाव बनाना चाहिए? तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ लगातार टकराव चलने के कारण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानमंडल के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने का समर्थन किया है। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987-1992) आर वेंकटरमण ने राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधायिका के समक्ष पारंपरिक अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने की सिफारिश कई बार की थी।

वे इस औपनिवेशिक प्रथा को अनावश्यक और असंवैधानिक मानते थे। फरवरी 1988 में संसद में अपना पहला अभिभाषण देने से पहले उन्होंने सरकार को सुझाव दिया था कि 'मेरी सरकार' के स्थान पर 'सरकार' शब्द का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा, यह प्रथा ब्रिटिश विरासत का हिस्सा है और भारत में प्रासंगिक नहीं है।

शिक्षा के जरिये रोजगार सृजन की दिशा में कदम

डॉ. शशांक द्विवेदी

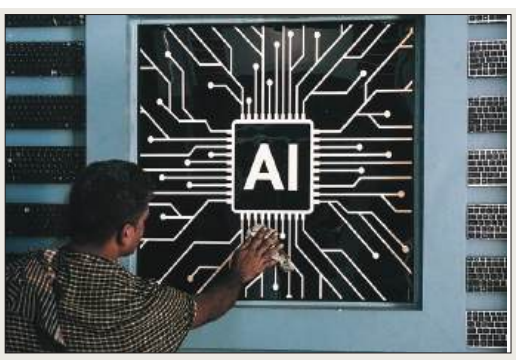

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को सरकार 'नेक्स्ट जेनरेशन बजट' कह रही है। यह दावा केवल एक राजनीतिक नारा नहीं लगता, बल्कि बजट के प्रावधानों पर नजर डालने से स्पष्ट होता है कि इसमें जेनरेशन जेड- यानी आज के युवा वर्ग- की शिक्षा, रोजगार, तकनीकी कौशल और रचनात्मक आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। आज का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं है; वह स्किल-ड्रिवन, डिजिटल-नेटिव और क्रिएटिव माइंडसेट के साथ आगे बढ़ना चाहता है। बजट 2026-27 इसी बदले हुए युवा चरित्र को पहचानता है। इस बजट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट पर जोर।

सरकार ने शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए एक समग्र रणनीति अपनाई है। कौशल-आधारित शिक्षा, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों को बढ़ावा और यूनिवर्सिटी टाउनशिप की अवधारणा इस दिशा में अहम कदम हैं। महत्वपूर्ण है कि केवल डिग्रियां युवाओं को रोजगार नहीं दिला सकतीं; उन्हें व्यावहारिक कौशल और उद्योग-अनुकूल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। यदि यह योजना जमीनी स्तर पर सही ढंग से लागू होती है तो यह भारत की युवा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में निर्णायक साबित हो सकती है। विदेश में पढ़ाई-लिखाई करने वाले छात्रों तथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा का अनुभव चाहने वालों को राहत देने के लिए, सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत टीसीएस दर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। इससे विद्यार्थी विदेश शिक्षा-अनुभव को अधिक किफायती रूप से चुन सकेंगे, जिससे तकनीकी तथा ग्लोबल मौके और एक्सपोजर मिलेंगे। बजट में ऑरेंज इकोनॉमी यानी एनिमेशन, गेमिंग, डिजाइन, विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता देना जेन जेड के लिए एक बड़ा संदेश है।

15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी लैब्स स्थापित करने का प्रस्ताव इस बात का संकेत है कि सरकार अब यूट्यूब, गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल स्टोरीटेलिंग को शौक नहीं, बल्कि कैरियर के रूप में देख रही है। इस कदम का व्यापक लक्ष्य यह है कि भारत 2030 तक लगभग 20 लाख एवीजीसी सेक्टर-विशेषज्ञों की आवश्यकता को पूरा करे, और उसे विश्व-स्तर के डिजिटल क्रिएटिव हब में बदल दे। यह कदम भारत के लाखों क्रिएटिव युवाओं को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग पर दिया गया जोर इस बजट को भविष्य-उन्मुख बनाता है। आज की नौकरियां डेटा, एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल सिस्टम्स से जुड़ी हैं। बजट यह मानता है कि अगर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहना है, तो युवाओं को इन्हीं क्षेत्रों में दक्ष बनाना होगा। जेन जेड केवल नौकरी चाहने वाली पीढ़ी नहीं है, बल्कि जॉब क्रिएटर बनने की आकांक्षा भी रखती है।

एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग, पूंजीगत व्यय में वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से नए अवसर पैदा होंगे। इससे युवा उद्यमियों को जोखिम लेने और नवाचार करने का भरोसा मिलेगा। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (टीसीएस)में कमी यह दर्शाती है कि सरकार वैश्विक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर को भी महत्व दे रही है। यह फैसला मध्यम वर्गीय युवाओं के लिए विशेष रूप से राहतकारी है। भारत का युवा वर्ग पहले से ही स्टार्टअप और नवोन्मेष (इनोवेशन) की ओर अग्रसर है- यह बजट इन्हें संसाधन-समर्थक वातावरण देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। बजट ने खेलो इंडिया मिशन तथा खेल-इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार से युवाओं के खेल-प्रतिभा विकास को बढ़ावा दिया है। साथ ही पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्र की डिजिटलाइजेशन तथा पर्यटन-संबंधित कौशल विकास योजनाएं भी युवा रोजगार सृजन को आगे बढ़ाती हैं। कुल मिलाकर, बजट 2026-27 केवल आज की जरूरतों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले भारत की युवा-आधारित आर्थिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट जेन जेड को बोझ नहीं, बल्कि भागीदार मानता है।

हालांकि, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घोषित योजनाएं कागज से निकलकर जमीन तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचती हैं। यदि क्रियान्वयन मजबूत रहा तो यह बजट सचमुच भारत की अगली पीढ़ी को आत्मनिर्भर, कुशल और ग्लोबल नागरिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है। यह बजट शिक्षा से रोजगार तक का एकीकृत मार्ग प्रदान करता है। डिजिटल और तकनीकी कौशल को मुख्यधारा में लाता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था और ऑरेंज इकोनॉमी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाता है। वैश्विक शिक्षा-अनुभव और रोजगार-सृजन के अवसरों को बढ़ाता है। यह बजट केवल आज के युवाओं के लिए नहीं बल्कि अगले पांच दशक के युवाओं के लिए एक मजबूत आर्थिक ढांचा तैयार कर सकता है। साथ ही भारत को एक ग्लोबल तकनीकी-रचनात्मक शक्ति बनाने की दिशा में भी एक निर्णायक कदम प्रतीत होता है।

बच्चों को ऐसे सिखाएं अच्छी आदतें

बच्चे अगर बदमाशी न करें तो उनका बचपन अधूरा ही रह जाएगा। इसलिए उन्हें रोकें नहीं लेकिन यह जरूर बताएं कि कब उनकी बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों को डांटकर या उन पर चिल्लाकर इसका समाधान न ढूंढ़ें बल्कि दूसरे तरीके अपनाकर उन्हें बेहतर तरीके से समझाया जा सकता है। तो आइए जानें कि बिना पनिशमेंट दिए कैसे सिखाएं अच्छी आदतें। बच्चे जब बदमाशी करते हैं तो सारा पेशन्स जवाब दे देता है। गुस्से से हम अपना आपा भी खो देते हैं और बच्चे पर हाथ भी उठा देते हैं जो कि पूरी तरह गलत है। बच्चों को सजा देने से वे और भी आक्रामक हो सकते हैं या फिर हमारी डांट-मार के डर से हमसे बातें छुपाने लगते हैं और डरपोक बन सकते हैं।

देर रात तक जगना

बच्चा अगर रात में नहीं सो रहा है और बदमाशी करता है, तो उसे डांट कर सुलाने की जगह क्रिएटिव तरीके का इस्तेमाल करें। बच्चे को एक लाइन में सिंपल तरीके से समझाएं कि तुमने मिसबिहेव किया है इसलिए तुम्हें सीधा बेड पर जाना है। यह कोई पनिशमेंट नहीं है बल्कि तुम्हारे दिमाग को शांत करने की तकनीक है, क्योंकि तुम्हारा दिमाग थोड़ा थक गया है और अब वो रात भर सो कर जब सुबह उठेगा तभी रिलैक्स होगा। इस तरह वे जल्दी सोना सीखेंगे।

ऐसे दें सजा

जिम्मेदारी का आभास कराने के लिए उन्हें बोलें कि जो मदद नहीं करेगा वो गेम नहीं खेल पाएगा। इसे बच्चे सजा की तरह नहीं बल्कि एक गेम समझ कर खेलेंगे और जल्दी-जल्दी अपनी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे। इस तरह वे जिम्मेदार बनेंगे। अगर दो भाई-बहन आपस में लड़ रहे हैं तो उनकी सुलह कराने में आपकी हालत खराब हो सकती है। ऐसे में शांति से बोलें कि अगर आप लोग लड़ेंगे तो अगले 30 घंटे आप दोनों को एक दूसरे के साथ ही बिताना पड़ेगा, यही नियम है। इससे बच्चे एक समय के बाद लड़ाई भूल कर खुद ही सुलह कर लेते हैं और आपको परेशान नहीं करते हैं।

बच्चों को सजा देने से वे और भी आक्रामक हो सकते हैं

तेज गुस्सा

अगर बच्चे को बहुत तेज गुस्सा आता है, तो उसे आंखें दिखाने की जगह गले लगाएं या फिर फौरन 10 मिनट का ब्रेक लें। न बच्चे को लज्जित महसूस कराएं, न उन्हें डांटें, न मारें, सीधा अपनी बात बोलें कि हमें दस मिनट का ब्रेक लेना चाहिए और कमरे से बाहर चले जाएं। जाने से पहले कमरे में कोई बुक या टॉय दिखे तो उसे रखते हुए जाएं जिसमें बच्चा व्यस्त हो जाए और आप खुद को शांत कर सकें। इससे बच्चा अपनी भावनाएं हैंडल करना सीखेगा। हां, ये उम्र के अनुसार ही करें। अधिक छोटे बच्चे सिर्फ गोद में ही रहना चाहते हैं।

मजेदार नियम बनाएं

अगर बच्चा होमवर्क करने की जगह समय बरबाद कर रहा है, तो एक मजेदार नियम बनाएं जिसमें बच्चे को ये बोलें कि जो होमवर्क जितना देर से करेगा उतना टाइम उसके फेवरेट काम में से काट दिया जाएगा। फिर चाहे वो साइक्लिंग हो, पार्क जाना हो, आर्ट एंड क्राफ्ट करना हो या वीडियो गेम खेलना हो। इससे बच्चे समय से अपने होमवर्क को खत्म करने के लिए सीरियस होंगे।

हंसना मना है

लड़की - ये क्या कर रहे हो? लड़की - दही जमा रहा हूं...लड़की - कब तक जमाओगे? लड़का - अगर तुम मिल जाओ, जमाना छोड़ देंगे हम...

पप्पू - एक गंजे के सिर पर दो बाल थे, दोनों में प्यार हो गया... दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं, लेकिन फिर भी दोनों की शादी नहीं हो पाई... चंदू - क्यों? पप्पू क्योंकि, बाल विवाह कानूनी अपराध है...

एक पुलिस वाले के घर चोरी हो रही थी...पत्नी - उठो जी, घर में चोरी हो रही है, पुलिस वाला पति - मुझे सोने दो, मैं इस वक्त ड्यूटी पर नहीं हूं...

एक सरदार अपना मैरिज सर्टिफिकेट एक घंटे से देख रहा था, पत्नी बोली - आप इतनी देर से क्या देख रहे हैं? सरदार- एक्पायरी डेट देख रहा हूं...

ग्राहक- वैसे आपके होटल में सफाई बहुत ध्यान पूर्वक कि जाती हैं। मैनेजर- धन्यवाद ! आपको किस बात से ऐसा आभास हुआ। ग्राहक- ऐसा आभास जब हुआ ! किसी ने होटल में घुसते ही मेरी जेब की सफाई कर दी।

कहानी | धोबी का गधा

एक गांव में धोबी अपने गधे के साथ रहता था। वह रोज सुबह अपने गधे के साथ लोगों के घरों से गंदे कपड़े लाता और उन्हें धोकर वापस दे आता। गधा कई सालों से धोबी के साथ काम कर रहा था और समय के साथ-साथ अब वह बूढ़ा हो गया था। बढ़ती उम्र ने उसे कमजोर बना दिया था, जिस वजह से वह ज्यादा कपड़ों का वजन नहीं उठा पाता था। एक दोपहर, धोबी अपने गधे के साथ कपड़े धोने धोबी घाट जा रहा था। धूप तेज थी और गर्मी की वजह से दोनों की हालत खराब हो रही थी। गर्मी के साथ-साथ कपड़ों के अधिक वजन के कारण गधे को चलने में परेशानी हो रही थी। वो दोनों घाट की तरफ जा ही रहे थे कि अचानक गधे का पैर लड़खड़ाया और वह एक गहरे गड्ढे में गिर गया। अपने गधे को गड्ढे में गिरा देख धोबी घबरा गया और उसे बाहर निकालने के लिए जतन करने लगा। बूढ़ा और कमजोर होने के बावजूद, गधे ने गड्ढे से बाहर निकलने में अपनी सारी ताकत लगा दी, लेकिन गधा और धोबी दोनों नाकामयाब रहे। धोबी को इतनी मेहनत करते देख कुछ गांव वाले उसकी मदद के लिए पहुंच गए, लेकिन कोई भी उसे गड्ढे से बाहर नहीं निकाल पाया। तब गांव वालों ने धोबी से कहा कि गधा अब बूढ़ा हो गया है, इसलिए समझदारी इसी में है कि गड्ढे में मिट्टी डालकर उसे यहीं दफना दिया जाए। थोड़ा मना करने के बाद, धोबी भी इस बात के लिए राजी हो गया। गांव वालों ने फावड़े की मदद से गड्ढे में मिट्टी डालना शुरू कर दिया। जैसे ही गधे को समझ आया कि उसके साथ क्या हो रहा है, तो वह बहुत दुखी हुआ और उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे। गधा कुछ देर चिल्लाया, लेकिन कुछ देर बाद वह चुप हो गया। अचानक धोबी ने देखा कि गधा एक विचित्र हरकत कर रहा है। जैसे ही गांव वाले उस पर मिट्टी डालते, वह अपने शरीर से मिट्टी को नीचे गड्ढे में गिरा देता और उस मिट्टी के ऊपर चढ़ जाता। ऐसा लगातार करते रहने से गड्ढे में मिट्टी भरती रही और गधा उस पर चढ़ते हुए ऊपर आ गया। अपने गधे की इस चतुराई को देखकर धोबी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उसने गधे को गले से लगा लिया।

7 अंतर खोजें

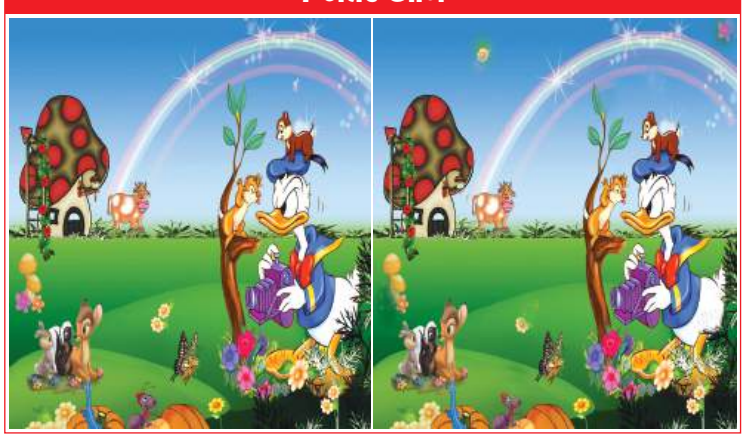

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। व्यसनाधीनता से बचें।

कर्क घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। जोखिम, लोभ, लालच से बचें।

सिंह धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

तुला शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिक चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीन पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। लाभदायी समाचार आएंगे।

हॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड में पेड पीआर से लोग दूसरों की बुराई करते हैं: रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में चल रहे पेड पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पीआर कल्चर की भी असलियत के बारे में बात की। रकुल ने उन अभिनेताओं के बारे में भी बात की जो अपने काम की वजह से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे होने वाले प्रचार की वजह से चर्चा में रहते हैं। रकुल प्रीत सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पैसे लेकर की जाने वाली पीआर पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग ऐसा क्यों करते हैं। रकुल ने कहा कि हम सभी को थोड़ा-बहुत पीआर करना पड़ता है। हमें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती है। कुछ लोग तो दूसरों की बुराई करने तक चले जाते हैं। मेरा मतलब है, जीवन में आप कितने नकारात्मक हो सकते हैं? आप खुद से कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? मेरा सबसे बड़ा सवाल यही है। मुझे लगता है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। अच्छा कर्म करने से ही फल मिलता है। मैं इसी सोच की हूं। मेरा दिमाग स्वाभाविक रूप से पीआर पर नहीं चलता। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें पैपराज़ी द्वारा तस्वीरें खींचे जाने की चिंता नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी मां कभी-कभी मुझे फोन करके पूछती हैं, तुमने क्या पहना है? इस महीने पाँचवीं बार तुम्हारी उसी जींस में तस्वीर खींची गई है। तो लोग जब भी बाहर जाते हैं तो अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। पैपराजी यहां कैसे आ जाते हैं? कभी आप सजे-धजे होते हैं और कभी नहीं। यह ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खुद पर इतना दबाव मत डालो। वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं। वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में पति पत्नी और वो दो है, जिसमें आयुष्मान खुराना और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं।

गोलमाल-5 में मुख्य विलेन की भूमिका निभायेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' की पांचवीं फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर फैंस लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब ऐसी चर्चाएं हैं कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और अगले साल तक फिल्म रिलीज करने की योजना है। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। इसके मुताबिक, फिल्म में एक बड़े सुपरस्टार की एंट्री होने वाली है। जो इस फिल्म में मुख्य विलेन की भूमिका में नजर आयेगा।

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की एंट्री हो गई है। खासबात ये है कि अक्षय को फिल्म में मुख्य विलेन के रूप में लिया गया है। यानी 'गोलमाल 5' में अजय देवगन और फिल्म के बाकी मेन किरदारों का अक्षय कुमार से मुकाबला होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। इसमें जबरदस्त कॉमेडी देखने को मिलेगी, जो 'गोलमाल' के जॉनर को और भी मजबूत बनाएगी। अक्षय कुमार के फिल्म से जुड़ने की खबरें आने पर अब 'गोलमाल 5' को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। क्योंकि फैंस हमेशा अक्षय कुमार को कॉमेडी फिल्मों में देखना चाहते हैं। खबरों के मुताबिक, 'गोलमाल 5' में काल्पनिक तत्वों को शामिल किया जाएगा। यह इस फ्रैंचाइज की मशहूर शरारतों पर आधारित सिचुएशनल कॉमेडी से हटकर एक नई कहानी दिखाएगी। फिल्म में हर पार्ट की तरह अजय देवगन के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और श्रेयस तलपड़े यहां भी दिखाई देंगे। इसके अलावा जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी फिल्म का हिस्सा रहेंगे। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'गोलमाल फन अनलिमिटेड' का हिस्सा रहे शरमन जोशी भी 'गोलमाल 5' में वापसी कर रहे हैं। जबकि करीना कपूर खान की भूमिका की पुष्टि अभी बाकी है। हालांकि, अभी तक फिल्म की कहानी और कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की शूटिंग फरवरी के अंत तक शुरू होने की संभावना है। जबकि फिल्म को 2027 की शुरुआत में रिलीज करने की योजना है।

बॉलीवुड | गपशप

धनुष से अफेयर की खबरों के बीच मृणाल ठाकुर ने कहा-

प्यार आपको बेहतर इंसान बनाता है

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' और अपने हालिया सिंगल सॉन्ग 'भीगी भीगी' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस गाने में मृणाल दुलकर सलमान के साथ नजर आई हैं। इस बीच पिछले काफी वक्त से मृणाल ठाकुर का नाम अभिनेता धनुष के साथ भी जोड़ा जा रहा है। पिछले दिनों दोनों की शादी तक की खबरें उड़नी शुरू हो गई थीं। हालांकि, बाद में वो सिर्फ अफवाहें निकलीं। अब धनुष से अफेयर के बीच मृणाल ने प्यार को एक खूबसूरत एहसास बताया है।

जब मृणाल से प्यार के बारे में उनकी राय पूछी गई, तो अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि प्यार एक सुंदर एहसास है और इस ग्रह पर हर किसी को इसका अनुभव होना चाहिए। यह आपको एक बेहतर इंसान में बदल देता है। यह सचमुच एक तरह से अपने भीतर के बच्चे की समस्याओं को सुलझाने और उसे नया जीवन देने जैसा है। यह दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज है। मैं प्रार्थना करती हूं और आशा करती हूं कि हर किसी को अपने जीवन में प्यार मिले। जब मृणाल से पूछा गया कि क्या प्यार में लड़कियां ज्यादा उदार हो जाती हैं? इस पर एक्ट्रेस ने असहमति जताते हुए कहा कि जरूरी नहीं। मैं असहमत हूं। जो भी प्यार में होता है वह अधिक उदार होता है। लेकिन प्यार में महत्वपूर्ण बात इसे स्वीकार करना भी है। कभी-कभी प्यार को स्वीकार करना और उसे समझना बहुत मुश्किल होता है। प्यार की परिभाषा बदलती जा रही है।

प्यार को लेकर मृणाल ने आगे कहा कि एकमात्र स्थिर चीज प्यार है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे ग्रहण करते हैं। एक प्रेमी होता है, एक प्रेमिका होती है। जब कोई प्यार में होता है, तो वह देने वाला होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता वो स्त्री हो या पुरुष। जब प्यार होता है, तो आप उस व्यक्ति के लिए कुछ भी कर देते हैं। आप बस खुद को समर्पित कर देते हैं।

एआर रहमान के संगीत में बने गीत 'भीगी भीगी' को इरशाद कामिल ने लिखा है। इसे एआर अमीन और जसलीन रॉयल ने गाया है। फिल्मों की बात करें तो मृणाल ठाकुर अगली बार रोमांटिक ड्रामा दो दीवाने सहर में में नजर आएंगी।

अजब-गजब | दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है यह अजीबो-गरीब जीव

इस जानवर की चमड़ी मानी जाती है बुलेटप्रूफ जैकेट से भी ज्यादा मजबूत

इस दुनिया में जीव-जंतुओं की कोई कमी नहीं है। बहुत से जानवर ऐसे हैं जिनके नाम, स्वभाव और खासियतों से हम पहले से ही परिचित हैं। लेकिन इसके साथ-साथ कई जीव ऐसे भी हैं, जिनके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी होती है। जब कभी उनकी अनोखी खूबियां सामने आती हैं, तो लोग हैरान रह जाते हैं और उनके बारे में जानने की जिज्ञासा भी बढ़ जाती है। इसी कड़ी में एक ऐसा जानवर भी है, जिसकी चमड़ी को लोग बुलेटप्रूफ जैकेट जितना मजबूत बताते हैं। आइए जानते हैं कि वह जानवर कौन-सा है और आखिर उसकी चमड़ी को इतना खास क्यों माना जाता है।

जिस जानवर की यहां बात हो रही है, उसका नाम आर्माडिलो है। इसकी चमड़ी को लेकर अक्सर यह कहा जाता है कि वह बुलेटप्रूफ जैसी मजबूत होती है। आर्माडिलो दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला एक अनोखा जीव है, जिसकी ऊपरी त्वचा हड्डियों जैसी सख्त प्लेटों से बनी होती है। जब उसे किसी तरह का खतरा महसूस होता है, तो वह इसी मजबूत कवच के भीतर खुद को समेट लेता है। इस दौरान उसका शरीर पूरी तरह गोल हो जाता है और वह देखने में बिल्कुल फुटबॉल जैसा नजर आता है। इसी वजह से कई लोग इसकी शील्ड को बेहद मजबूत मानते हैं और उसकी तुलना बुलेटप्रूफ जैकेट से करने लगते हैं। हालांकि, यह जानना भी जरूरी है कि क्या आर्माडिलो की चमड़ी वास्तव में बुलेटप्रूफ होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्माडिलो की चमड़ी जरूर मजबूत होती है और वह उसे छोटे शिकारियों से बचाने में मदद करती है। कुत्तों या रैप्टर जैसे बड़े शिकारी इस सख्त कवच को तोड़ सकते हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि आर्माडिलो की चमड़ी को बुलेटप्रूफ मानने के बजाय, उसे एक मजबूत हार्ड-शेल सूटकेस की तरह समझना ज्यादा सही होगा।

बिच्छू को अपनी मौत के बारे में पहले ही चल जाता है पता

सोशल मीडिया और लोककथाओं में अक्सर यह दावा किया जाता है कि बिच्छू एकमात्र ऐसा जीव है, जिसे अपनी मौत के बारे में पहले ही पता चल जाता है। कहा जाता है कि जब बिच्छू को यह एहसास हो जाता है कि उसकी मृत्यु निकट है, तो उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आने लगता है। वह असामान्य रूप से आक्रामक हो जाता है या अजीब हरकतें करने लगता है, जिससे लोगों को लगता है कि उसे अपने अंत का आभास हो चुका है ग्रामीण इलाकों और पुरानी मान्यताओं में यह विश्वास काफी प्रचलित है कि बिच्छू खतरे को पहले ही भांप लेता है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि जब बिच्छू को चारों ओर से घेर लिया जाता है या आग से जलाया जाता है, तो वह खुद को डंक मारकर अपनी जान ले लेता है। इसी धारणा के आधार पर यह मान्यता बनी कि बिच्छू अपनी मौत को खुद चुनता है हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस दावे को पूरी तरह सही नहीं माना जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, बिच्छू का जहर उसी पर असर नहीं करता, यानी वह खुद को डंक मारकर नहीं मर सकता। दरअसल, जब बिच्छू को अत्यधिक गर्मी या खतरे का सामना करना पड़ता है, तो उसका तंत्रिका तंत्र प्रभावित होता है और वह अनियंत्रित गतिविधियां करने लगता है। इसी कारण लोगों को यह भ्रम होता है कि वह जानबूझकर खुद को नुकसान पहुंचा रहा है वैज्ञानिकों का मानना है कि बिच्छू का यह व्यवहार आत्मरक्षा या तनाव की प्रतिक्रिया हो सकता है, न कि अपनी मौत का पूर्वाभास। बावजूद इसके, अपने जहरीले डंक, अनोखे व्यवहार और जीवटता के कारण बिच्छू आज भी इंसानों के लिए एक रहस्यमयी जीव बना हुआ है, जिसके बारे में कई मिथक और कहानियां प्रचलित हैं।

किसानों को लूट रही भाजपा सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

» यूरिया के बैग का वजन घटाने पर बिफरे नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों के साथ हो रही लगातार आर्थिक लूट पर कड़ा आक्रोश जताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें किसानों को ठगने के नए-नए तरीके अपना रही हैं। अब यूरिया के बैग का वजन घटाकर किसानों की जेब पर सीधा डाका डाला जा रहा है। हुड्डा ने कहा कि पहले यूरिया का बैग 50 किलो का होता था फिर उसे घटाकर 45 किलो किया गया और अब मात्र 40 किलो कर दिया गया है। नए बैग में 37 प्रतिशत नाइट्रोजन और 17 प्रतिशत सल्फर होने का दावा किया जा रहा है लेकिन कीमत वही 254 रुपये रखी गई है।

यानी नाम वही, दाम वही पर मात्रा लगातार घटती जा रही है। यह सीधे तौर पर किसानों के साथ धोखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई और खेती की लागत बढ़ाकर किसानों की कमर तोड़ने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि हालिया केंद्रीय बजट में भी भाजपा की किसान विरोधी सोच साफ नजर आई। देश के इतिहास में शायद यह पहला बजट था जिसमें किसानों का जिक्र तक नहीं किया गया। न कर्जमाफी की बात हुई, न मुआवजे की और न ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई ठोस घोषणा की गई। हुड्डा ने कहा कि खाद, बीज और फसल बीमा के नाम पर भी किसानों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं।

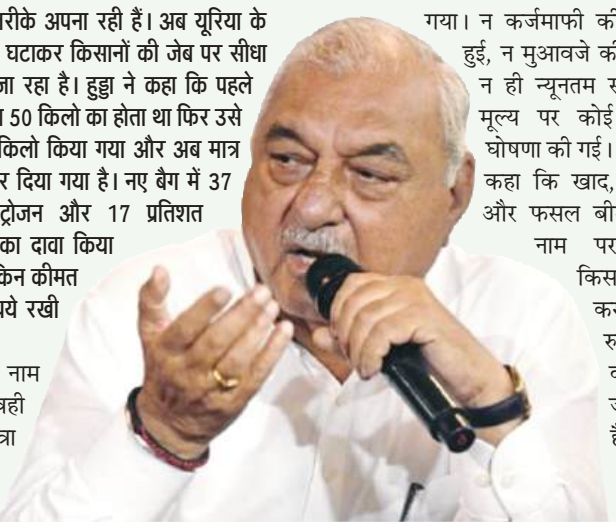

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के खिलाफ साजिश : दीपेंद्र

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने अमेरिकी दबाव में आकर कृषि क्षेत्र में अमरीकी निर्यात के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। यह समझौता भारतीय किसानों के हितों पर सीधा हमला और आत्मनिर्भर भारत के नारे का खुला मजाक है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के बाजार में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए कोई जगह नहीं है, क्योंकि देश पहले से ही खाद्यान्न सरप्लस है। ऐसे में आयात से किसान और अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान होगा। हुड्डा ने कहा कि यह समझौता दोतरफा नहीं, बल्कि एकतरफा आत्मसमर्पण है। अमेरिकी कृषि उत्पादों को छूट देने से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था कमजोर होगी, सरकारी खरीद पर दबाव बढ़ेगा और किसान और गहरे संकट में फंसेंगे। डेयरी सेक्टर पर भी सबसे बड़ा खतरा मंडरा रहा है, जहां अमेरिकी औद्योगिक कंपनियां छोटे दुग्ध किसानों को बाजार से बाहर कर देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सौदा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित में किया गया है। किसान हित में पहले भी तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ी गई और अब इस समझौते के खिलाफ भी संघर्ष किया जाएगा।

भाजपा सच्चाई सुनना नहीं चाहती : विधायक कृपलानी

» राहुल गांधी के मुद्दे पर विस में भिड़े कांग्रेस और भाजपा विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर हंगामा हो गया। विवाद बढ़ने के कारण सभापति ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

कृपलानी ने सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही का उदाहरण देते हुए कहा कि लोकसभा में स्पीकर बार-बार रूलिंग दे रहे थे, लेकिन राहुल गांधी उनकी नहीं सुन रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना छपे किताब को लेकर बेवजह आरोप लगा रहे हैं और उनमें इतने ही लक्षण (तमीज) नहीं हैं। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस के विधायक भड़क गए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सभापति फूल सिंह मीणा से अनुरोध किया कि कृपलानी की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। जूली ने कहा कि जो सदस्य सदन में मौजूद नहीं है, उसका उल्लेख नहीं किया जा सकता। कृपलानी ने जवाब में कहा कि विधानसभा में जितने भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं, कम से कम वे देश के खिलाफ नहीं बोलते हैं और इसकी हमें तसल्ली है।

राहुल गांधी देश के खिलाफ नहीं बोल रहे : जूली

टीकाराम जूली ने कहा कि राहुल गांधी देश के खिलाफ नहीं बोल रहे थे, बल्कि बीजेपी विधायक डर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बोलते, तो पता चलता कि मोदी जी और राजनाथ सिंह की क्या भूमिका थी। जूली ने कहा कि भाजपा सच्चाई सुनना नहीं चाहती। इसके बाद जूली ने सभापति से अनुरोध किया कि बीजेपी विधायकों को सदन की मर्यादा में रहने और केवल राज्यपाल के अभिभाषण पर ही बोलने की हिदायत दें। कांग्रेस के विरोध के चलते कई विधायक वेल में आ गए और हंगामा बढ़ गया। हंगामा बढ़ने के बाद सभापति ने 4 बजकर 24 मिनट पर सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, वांछित अतुल सिंह गिरफ्तार

लखनऊ। शाइन सिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े बहुचर्चित निवेश घोटाले में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) लखनऊ को बड़ी सफलता मिली। वांछित अभियुक्त अतुल सिंह को ईओडब्ल्यू की क्रैक टीम ने गुडम्बा लखनऊ से गिरफ्तार किया। शाइन सिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा. लि. पर प्रदेश के कई जनपदों में सस्ते भूखंड व प्रलोभनकारी योजनाओं के नाम पर निवेशकों से करोड़ों रुपये जमा कराने, लेकिन न भूखंड देने और न ही धनराशि लौटाने का आरोप है। कंपनी के निदेशक व पदाधिकारी कार्यालय बंद कर फरार हो गए थे। गिरफ्तार अभियुक्त अतुल सिंह शाइन सिटी के लखनऊ स्थित आर-स्क्वायर, विपुल खंड कार्यालय से प्रॉपर्टी सेल्स का काम देखता था।

आरोप है कि वह निवेशकों को बहला-फुसलाकर योजनाओं में पैसा लगवाता था। थाना गोमतीनगर, लखनऊ में मु.अ.सं. 887/2021 व 888/2021 दर्ज हैं, जिनमें धारा 419/409/ 467/ 468/471/120 शामिल हैं। शासनादेश के बाद मामले की विवेचना ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। अभियुक्त के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, जबकि आरोप है कि हाल के दिनों में भी वह लोगों को नए प्रलोभनों से गुमराह कर निवेश करा रहा था।

दिन में सपने बेच रही नीतीश सरकार: राजेश

» बिहार बजट पर कांग्रेस का तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानमंडल में पेश किए गए वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर सूबे की सियासत गरमा गई है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने राज्य सरकार के बजट पर करारा प्रहार करते हुए इसे केंद्र सरकार की तर्ज पर झूठ का पुलिंदा और झूठा सपना करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल हवा-हवाई आंकड़ों की बाजीगरी कर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कड़े शब्दों में कहा कि साल-दर-साल बजट की रकम तो बढ़ाई जा रही है, लेकिन इसका सार्थक लाभ धरातल पर नजर नहीं आता।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार बजट का सही इस्तेमाल करने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। एनडीए सरकार 200 से अधिक सीटें जीतने के अहंकार में बिहार की मूल जरूरतों को दरकिनार कर रही है। यह बजट आम नागरिकों को छलावे के सिवा कुछ नहीं देता। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं के रोजगार और उद्योगों के विकास पर केवल घोषणाएं हुईं, लेकिन धरातल पर एक भी योजना नहीं उतरी। साथ ही शिक्षा और रोजगार के आंकड़ों को चमकदार बनाकर पेश किया गया, जबकि जमीनी हकीकत इसके उलट है।

वंही कांग्रेस पार्टी ने मीडिया के माध्यम से संगठन की देशव्यापी आवाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल की है। इसमें राजनीति में प्रवक्ता, रिसर्चर और मीडिया पैनलिस्ट के रूप में सक्रि य भूमिका निभाने के इच्छुक युवाओं के लिए 'नेशनल टैलेंट हंट-मुखर आवाज' अभियान शुरू किया है।

महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार पर उठाए सवाल

राजेश राम ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए पटना की कानून व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जो सरकार राजधानी में महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा नहीं दे सकती, वह महिलाओं और किसानों की बेहतरी की बात केवल मार्केटिंग के लिए कर रही है।

हमने एम्स मांगा था, मिला पागलखाना : इरफान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा झारखंड में दो नए मेंटल हॉस्पिटल खोलने की घोषणा के बाद राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई उम्मीद जगी है। इस संबंध ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि केंद्र सरकार से हमने एम्स मांगा था, लेकिन मुझे पागलखाना मिला। भाजपा वाले झारखंड के लोगों को पागल समझ रहे हैं। यहां पर मेंटल हॉस्पिटल पहले से ही है।

केंद्रीय बजट ने झारखंड को ठगने का काम किया है। बीजेपी कहती है कि यह अमृतकाल का बजट है, लेकिन यह अमृत नहीं जहर वाला बजट है। यह लोगों को मारने वाला बजट है। इस बजट ने सभी वर्गों को निराश किया है।कांके रोड स्थित मानसिक रोग केंद्र के निदेशक डॉ. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि कांके स्थित सीआईपी परिसर में बेंगलुरु के निम्हांस की तर्ज पर 500 बेड का अत्याधुनिक मेंटल हॉस्पिटल बनाया जाएगा।

अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

» ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में 27 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलवायो। कप्तान ओलिवर पीक का शानदार शतक भी ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में हार से नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 27 रन से ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में जगह बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान थॉमस रेव की शतकीय पारी से 50 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओलिवर अंत तक टिके रहे, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी और ऑस्ट्रेलिया की टीम 47.3 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट हो गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सधी हुई शुरुआत की, लेकिन 50 रन पूरे करने से पहले ही उसने दो विकेट गंवा दिए। हालांकि, नितेश सैमुअल ने 47 रन की पारी खेली। लेकिन ओलिवर अंत तक टिके रहे। ओलिवर ने 88 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाए। वहीं, आर्यन शर्मा ने 34, विल ने 15, हेडन सिचलर ने 15 और स्टीवन होगन ने तीन रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सेबास्टियन मोर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडन और रल्फी एलबर्ट को दो-दो विकेट मिले, जबकि एलेक्स फिंच और फरहान अहमद को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, इंग्लैंड के लिए थॉमस ने 107 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 110 रन बनाए जिसके दम पर इंग्लैंड चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। थॉमस को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके अलावा कैलब फालकोनर ने 40 रन बनाए, जबकि फरहान अहमद 28 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए हेडन और नादेन कूरे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल बाइरोम और आर्यन शर्मा को एक-एक विकेट मिले।

फाइनल में भारत या अफगान से होगा सामना

इंग्लैंड का अब फाइनल में सामना भारत और अफगानिस्तान के बीच बुधवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने चार बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है, लेकिन वह अपनी पांचवीं ट्रॉफी जीतने से चूक गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान ओलिवर ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

नरवणे की किताब को लेकर नहीं थमी रार

» लोस के अंदर व बाहर जारी रहा तकरार

» कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने किए प्रहार, भाजपा ने भी किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व सेना अधिकारी नरवणे की किताब को लेकर आज भी लोस के अंदर व बाहर सरकार व विपक्ष में तकरार जारी रही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री पर जोरदार हमला किया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पीएम की लोस में आने की हिम्मत नहीं हो रही है। तो वहीं प्रियंका गांधी ने लोकसभा में विपक्ष के आठ सांसदों के निलंबन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र का मूलभूत मुद्दा बताया और सत्तारूढ़ एनडीए पर संसद में असहमति और बहस को दबाने का आरोप लगाया। इन सबके बीच भाजपा ने भी कांग्रेस व राहुल गांधी परपलटवार करते हुए उन्हें झूठा करार दिया।

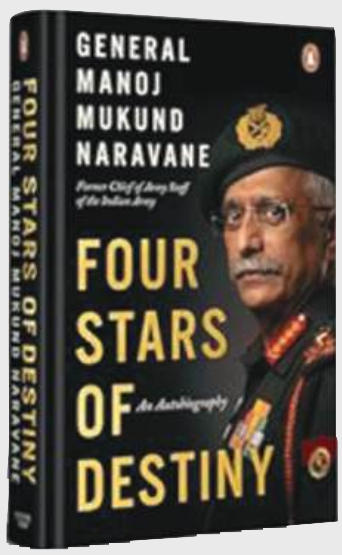

बहस से क्यों डरते हैं पीएम : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के आठ सांसदों के निलंबन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र का मूलभूत मुद्दा बताया और सत्तारूढ़ एनडीए पर संसद में असहमति और बहस को दबाने का आरोप लगाया। पत्रकारों से निलंबन के बारे में बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि संसदीय सत्रों के दौरान ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं और आरोप लगाया कि विपक्ष, विशेष रूप से विपक्ष के नेता को जानबूझकर बोलने से रोका जा रहा है। आप हर सत्र में ऐसा होते देखते हैं। अब तो वे इसे और भी ज्यादा कर रहे हैं, उन्होंने कहा। यह सिर्फ विपक्ष के नेता को बोलने न देने का मामला नहीं है; यह लोकतंत्र और संसद के कामकाज का एक मूलभूत मुद्दा है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है। अगर कोई अपने विचार रखता है तो इसमें क्या समस्या है? वे इस बात से डरते हैं कि इसका क्या नतीजा निकलेगा, उन्होंने एएनआई को बताया।कांग्रेस सांसद ने पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की किताब का भी जिक्र किया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि उसे प्रकाशित नहीं होने दिया गया, क्योंकि उसमें सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के तरीके से संबंधित आलोचनात्मक सामग्री थी। उन्होंने किताब के प्रकाशन की अनुमति नहीं दी। जहाँ तक मुझे पता है, किताब में ऐसी बातें हैं जो संकट के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और हमारे शीर्ष नेतृत्व की प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं।

राहुल गांधी विपक्ष के झूठे नेता : रामचंद्र राव

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें संसद में बोलने से रोका गया था। एएनआई से बात करते हुए, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं, भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। राव ने कहा कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, साथ ही हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और हमारे सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी राहुल गांधी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि गांधी संसद में जनहित के मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। राव ने आगे कहा कि पक्षपात के नेता के रूप में, वे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। लोग उन्हें सशस्त्र बलों और राष्ट्र का अपमान करते हुए देखते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहाँ एक झूठा व्यक्ति पक्षपात का नेता बन गया है।

नाजुक समय में जिम्मेदारी लेने में विफल रहे पीएम मोदी : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को चीन के साथ लद्दाख गतिरोध से निपटने के तरीके को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने एक नाजुक समय में जिम्मेदारी लेने में विफल रहे और सेना नेतृत्व को अकेला छोड़ दिया। गांधी ने कहा, जो उचित समझो वो करो। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, गांधी ने जनरल नरवणे के अप्रकाशित संस्मरणों की एक प्रति दिखाई और कहा कि वह लोकसभा में प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत रूप से यह पुस्तक सौंपने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि पुस्तक की सामग्री लद्दाख संकट के दौरान सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में सच्चाई उजागर करती है। गांधी ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री में आज लोकसभा आने की हिम्मत होगी, क्योंकि अगर वह आते हैं, तो मैं उन्हें यह पुस्तक सौंपने जा रहा हूं। अगर प्रधानमंत्री आते हैं, तो मैं स्वयं जाकर उन्हें यह पुस्तक सौंपूंगा ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को सच्चाई पता चल सके। पूर्व सेना प्रमुख के वृत्तांत का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि पुस्तक में लद्दाख की घटनाओं का विस्तृत वर्णन है और इसे व्यापक रूप से पढ़ा जाना चाहिए, विशेषकर भारत के युवाओं द्वारा। उन्होंने कहा कि भारत के हर युवा को यह पुस्तक देखनी चाहिए। यह श्री नरवणे की पुस्तक है। उन्होंने इस पुस्तक में लद्दाख का पूरा विवरण दिया है। मुझे बताया गया है कि मैं इस पुस्तक का हवाला नहीं दे सकता। गांधी ने पुस्तक में वर्णित मुख्य घटना का वर्णन किया, जो कैलाश रिज क्षेत्र में चीनी सैनिकों और टैंकों की आवाजाही से संबंधित है।

देवेंद्र फडणवीस पर भड़के शरद पवार, कहा-उनसे कोई चर्चा नहीं

» बोले पूर्व सीए- एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित

» विलय पर चर्चा अजीत और जयंत के बीच हुई थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय पर चर्चा अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी, न कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। पवार ने सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भी खुशी व्यक्त की।

बारामती में पवार ने कहा कि मुझे खुशी है कि सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। विलय को लेकर अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री फडणवीस इन चर्चाओं में शामिल नहीं थे। न्हें इस बारे में बोलने का क्या अधिकार था? उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हमारा पूरा ध्यान सभी की देखभाल करने और शोक संतप्त लोगों के साथ मिलकर आगे बढ़ने पर है। अभी तक किसी भी राजनीतिक फैसले पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।इसके अलावा, पवार ने कहा कि पारिवारिक घटना के कारण वे 58 वर्षों में पहली बार बजट दिवस पर संसद में उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने चिंता व्यक्त की कि केंद्रीय बजट आम लोगों के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। पवार ने कहा, चाहे महाराष्ट्र विधानसभा हो या देश की लोकसभा, मैं पिछले 58 वर्षों से सदस्य रहा हूं। इन सभी 58 वर्षों में, मैं कभी भी बजट दिवस पर संसद से अनुपस्थित नहीं रहा। दुर्भाग्य से, मेरे परिवार में हुई एक घटना के कारण, मैं इस बार बजट दिवस पर संसद में उपस्थित नहीं हो सका। हालांकि, मैंने जो कुछ भी पढ़ा है, उससे मुझे दो-तीन समस्याएं नजर आ रही हैं।

ऑनलाइन गेम ने ली तीन बहनों की जान

गाजियाबाद में दिल दहलाने वाली वारदात, नौवें मंजिल से कूदीं सगी बहनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद में तीन बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों बहनों को कोरियन ऑनलाइन गेम की लत लगी हुई थी, जिसका नाम है कोरियन लवर गेम, जो कि वे तीनों पिछले 5 साल से खेल रही थीं।

कोरोना काल में इस गेम को खेलने की शुरुआत की थी और ये एक टास्क बेस्ड गेम था। तीनों इस गेम से इतनी प्रभावित थीं कि उन्होंने अपने नाम भी कोरियन रख लिए थे। इस गेम में 14 साल की बीच वाली बहन बॉस थी, जो अपनी दोनों बहनों को भी टास्क देती थी, इसी के चलते तीनों बहन हर काम साथ करती थीं, रोजमर्रा के काम भी, जैसे खाना, सोना और छोटे-मोटे घर के काम करना, ये जानकारी भी सामने आई है कि तीनों बहनें ये शक नहीं होने देती थीं कि वह किसी टास्क के तहत ये काम कर रही हैं। वहीं इस मामले में एक चश्मदीद भी सामने आया है जिसने बताया है कि बड़ी लड़की कूदने की कोशिश कर रही थी और दोनों छोटी बहनें उसे रोक रही थीं। इसी बीच तीनों बहनें नीचे गिर गईं। सवाल ये भी ये भी है कि क्या सुसाइड भी इसी टास्क के तहत किया गया। लड़कियों ने सुसाइड करने के पहले कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था और उसके बाद तीनों बारी बारी से खिड़की से नीचे कूदीं। जब लड़कियां नीचे गिरीं तो आवाज इतनी तेज आई कि सोसाइटी के तमाम लोग और सिक्योरटी गार्ड भागे, जब घरवाले कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तब तक लड़कियां नीचे कूद चुकी थीं। ये भी बात सामने आ रही है कि तीनों बच्चियां 2 साल से स्कूल नहीं जा रही थीं, पिता ट्रेडिंग का काम करते थे, घर की माली हालत भी ठीक नहीं थी।

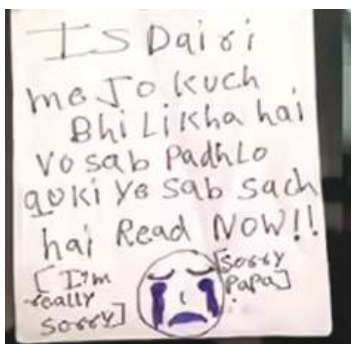

बेटियों ने पिता से कही थी ये बात

पिता ने इस मामले में बताया कि बेटियां कहती थीं कि सॉरी हम कोरिया नहीं छोड़ सकते। कोरिया हमारी जिंदगी और जान हैं, हम उसे नहीं छोड़ सकते। सुसाइड नोट में बहनों ने लिखा है कि पापा सॉरी, आंखों में आंसू लिए पिता ने हर मां-बाप से गुजारिश की कि वे अपने बच्चों को गेम से दूर रखें, वे कहते हैं कि ये बहुत बुरा हुआ. हालांकि पिता ने ये भी बताया कि गेम का लिंक कोरिया से आया था।

अजित पवार का आखिरी फोन कॉल वायरल

» एनसीपी ने प्लेन क्रैश से पहले बातचीत का ऑडियो किया जारी

» उड़ान भरने से पहले पार्टी के सदस्य श्रीजीत पवार से बात की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पिछले हफ्ते प्लेन क्रैश में मौत से पहले अजित पवार की आखिरी फोन बातचीत का ऑडियो जारी किया है। अजित पवार ने मुंबई से बारामती के लिए उड़ान भरने से पहले पार्टी के सदस्य श्रीजीत पवार से बात की थी।

अपनी आखिरी बातचीत में अजित पवार ने एकता और समानता का संदेश दिया, जिसमें सभी धर्मों और जातियों को साथ लेकर चलने की जरूरत पर जोर दिया गया। उस कॉल के बारे में बताते हुए श्रीजीत पवार ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में प्यार से दादा कहे जाने वाले अजित पवार को एक मैसेज भेजा था और जैसे ही वह नेटवर्क कवरेज एरिया में आए उन्होंने उन्हें फोन किया। उन्होंने बताया, अजित दादा और मैं एक ही गांव के हैं। मैंने उन्हें एक खास मामले में मैसेज भेजा था। नेटवर्क मिलते ही उन्होंने मुझे कॉल किया। उन्होंने कहा कि हम सभी जातियों और धर्मों को साथ लेकर चल रहे हैं।ऑडियो को पब्लिक करने की वजह यह है कि पवार के पास एक मैसेज था जो पार्टी का मानना है कि जनता तक पहुंचना चाहिए। श्रीजीत पवार ने कहा, यह इस ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग को सभी के ध्यान में लाने की कोशिश है ताकि महाराष्ट्र को पता चल सके कि अजीत दादा के आखिरी सांस तक क्या विचार थे।

ऑडियो क्लिप में ये है?

अजित पवार : हम सभी जातियों और धर्मों को साथ लेकर चलते हैं।

श्रीजीत पवार: नहीं, दादा, मैंने तो बस वही कहा जो मुझे लगा।

अजित पवार: सुपे ग्रुप से जिला परिषद में माली समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया गया है। हमने सभी को न्याय देने की कोशिश की है।

श्रीजीत पवार: हां, दादा, आपको जो भी फैसला सही लगे, वह लें।

गरीबों पर बुलडोजर, अमीरों पर मेहरबानी

» नगर निगम जोन-1 का अतिक्रमण अभियान पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम जोन-1 में चल रहा अतिक्र मण हटाओ अभियान अब ज़ोनल अधिकारी के लिए किसी काल से कम नहीं बनता जा रहा है। हालात यह हैं कि हर दूसरे दिन ज़ोनल अधिकारी या तो खुद सड़कों पर उतरकर ठेले-गुमटियों का सामान उठवाते नजर आते हैं या फिर बुलडोजर की मदद से अवैध रूप से सड़क पर रखी दुकानों को हटवाते हैं।

इस सख्ती की वजह भी साफ है- नगर निगम जोन-1 में जाम की समस्या सबसे अधिक है। निगम की हर बैठक में अतिक्रमण को लेकर सबसे ज्यादा सवाल इसी जोन से उठते हैं। नतीजा यह कि ज़ोनल अधिकारी को लगभग रोज़ अभियान चलाना पड़ता है और इसका खामियाजा झेलते हैं वे गरीब दुकानदार, जो सड़क किनारे छोटी-मोटी दुकान लगाकर अपने परिवार का पेट पालते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर निगम के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है? क्या इन गरीब दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन नहीं बनाए जा सकते, ताकि न सड़क जाम हो और न ही किसी का रोजगार छिने कोई गाड़ियों के शॉकर बनाकर रोज़ी कमा रहा है, कोई हॉर्न ठीक कर रहा है, लेकिन कार्रवाई के बाद ये लोग आखिर जाएं तो जाएं कहां हैरानी की बात यह है कि नगर निगम मुख्यालय के ठीक बगल में बनी कार एक्सेसरीज़ की बड़ी-बड़ी दुकानें खुलेआम सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर कारोबार करती हैं। वहीं महापौर, नगर आयुक्त से लेकर तमाम अपर नगर आयुक्त अधिकारी रोज़ मौजूद रहते हैं, फिर भी इन दुकानों पर कार्रवाई नहीं होती।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।